

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्री ब्रह्मदेर कृता  
॥ श्री रामनस्तुतिः ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ श्री रामनस्तुतिः ॥

जयाधीश जयाजेय जय रिश्वरुगुरो हरे।

जन्ममृत्युजरातीत जयानन्त जयाच्युत ॥ 1 ॥

जयाजित जयाशेष जयार्यक्तुस्थिते जय।

परमार्थार्थ सर्रञ्ज ज्ञानञ्जेयार्थनिःसृत ॥ 2 ॥

जयाशेष जगत्साम्फिञ्जगत्कर्तुर्जगद्गुरो।

जगतोहजगदन्तेश स्थितौ पालयते जय ॥ 3 ॥

जयाखिल जयाशेष जय सर्रहृदिस्थित।

जयादिमध्यान्तमय सर्रञ्जानमयोत्तम ॥ 4 ॥

मुमुक्षुभिरनिर्देश्य नित्यहृष्ट जयेश्वर।

योगिभिर्मुक्तिकामैस्तु दमादिगुणभूषण ॥ 5 ॥

जयातिसूक्ष्म दुर्जेय जय सूल जगन्मय।

जय सूक्ष्मातिसूक्ष्म त्रं जयानिन्द्रिय सेन्द्रिय ॥ 6 ॥

जय स्वमायायोगस्व शेषभोग जयाम्बर।

जयैकदंष्ट्रप्रान्तेन समुद्रुतरसुम्बर ॥ 7 ॥

नृकेसरिन् सुरारातिरम्भःसुलरिदारण।

साम्प्रतं जय रिश्वरात्तन् मायारामन केशर ॥ 8 ॥

निजमायापरिच्छिन्न जगद्घातर्जनार्दन।

जयाचित्य जयानेकस्वरूपैकरिध प्रभो ॥ 9 ॥

বর্দ্ধস্ব বর্ধিতানেকরিকারপ্রকৃতে হরে।  
ৎরয্যেষা জগতামীশে সংস্থিতা ধর্মপদ্ধতিঃ ॥ 10 ॥

ন ত্ৰামহং ন চেশানো নেন্দ্রাদ্যাঙ্গিদশা হরে।  
জ্ঞাতুমীশা ন মুনযঃ সনকাদ্যা নে যোগিনঃ ॥ 11 ॥

ৎরং মাযাপটসংরীতো জগত্যত্র জগৎপতে।  
কঙ্ক্ৰাং রেৎস্যতি সর্বেশ ত্ৰৎপ্রসাদং বিনা নরঃ ॥ 12 ॥

ৎরমেরারাধিতো যস্য প্রসাদসুমুখঃ প্রভো।  
স এত্ৰ কেবলং দেবং রেত্তি নেতরো জনঃ ॥ 13 ॥

তদীশ্বরেশ্বরেশান বিনো বর্দ্ধস্ব ভারন।  
প্রভরাযাস্য বিন্শ্বস্য বিন্শ্বাত্মন্ পৃথুলোচন ॥ 14 ॥

॥ শ্রী রামনস্তুতিঃ সমাপ্তা ॥